शीश के दानी श्याम साँवरिया का जो लेता नाम भजन लिरिक्स

शीश के दानी श्याम साँवरिया,
का जो लेता नाम,
चिंताए हर के बाबा,
कष्टों का करते है निदान,
आए जो भी खाटू मंदिर,
हाथ में लेके निशान,
चिंताए हर के बाबा,
कष्टों का करते है निदान।bd।

तर्ज – बार बार मैं तुम्हे पुकारूँ।

मिश्री किशमिश,
खीर और चूरमा,
भोग लगा के बाबा को,
स्वर्ण मुकुट और,
गल फूलों की माला,
पहना के बाबा को,
श्याम धणी को जो भी रिझाएं,
हो उसका कल्याण,
चिंताए हर के बाबा,
कष्टों का करते है निदान।bd।

जो फागण मेले में होली,
खेलण जाते खाटू धाम,
अपनी करुणा के रंगो से,
सबको भिगोते मेरे श्याम,
लगते है निसदिन जयकारे,
यहाँ देखो सुबहो शाम,
चिंताए हर के बाबा,
कष्टों का करते है निदान।bd।

शीश के दानी श्याम साँवरिया,
का जो लेता नाम,
चिंताए हर के बाबा,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी हमेशा मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आए जो भी खाटू मंदिर,
हाथ में लेके निशान,
चिंताए हर के बाबा,
कष्टों का करते है निदान।bd।

Singer – Avinash karn & Tara Devi

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com